

**लाल्हा** पुं. (देश.) मरसा नामक कुछ-कुछ लाल रंग का साग, शाक, चौलाई की जाति का शाक।

**लाव** पुं. (तत्.) 1. "लवा" एक प्रकार का पक्षी 2. वि. तोड़ने, काटने, कतरने वाला 3. स्त्री. लौ, प्रेम, लगन, अग्नि 4. वह धन जो कर्ज या ऋण के रूप में दिया जाता है 5. (देश.) नाव बांधने का मोटा रस्सा, मोटा रस्सा या रस्सी उदा. फिरि- फिरि चितु, उतहीं रहतु, टुटी लाज की लाव-(बिहारी) 6. (फा.) पंडोल मिट्टी जिससे घर पोता जाता है।

**लावक** पुं. (तत्.) लवा नामक पक्षी।

**लावण** पुं. (तत्.) 1. सूंघनी, नस्य 2. वि. लवण संबंधी, नमक का, नमकीन 3. जो नमक द्वारा उपचारित या संस्कारित किया गया हो।

**लावणिक** पुं. (तत्.) 1. नमक बनाने या बेचने वाला व्यक्ति 2. नमक का व्यापारी 3. नमक का बर्तन या नमकदान।

**लावण्य** पुं. (तत्.) 1. नमकीनपन, लवणत्व 2. मनोहरता, सौंदर्य, सलोनापन।

**लावण्या** स्त्री. (तत्.) लावण्य या सुंदरतायुक्त स्त्री, बालिका वि. सुंदर, मनोहर, सलोनी।

**लावदार** पुं. (तत्.+फा.) तोप में बत्ती लगाने वाला व्यक्ति वि. बत्ती लगाए जाने के लिए तैयार (तोप)।

**लावनता** स्त्री. (तद्.) लावण्य, सुंदरता, सलोनापन।

**लावना** स. क्रि. (देश.) लाना।

**लावनि** स्त्री. (तद्.) लावण्य, सुंदरता।

**लावनी** स्त्री. (तद्.) लावन, फसल की कटाई पुं. लावाणक (प्राचीन मगध का एक क्षेत्र) में विकसित उपराग या लोकगीतों का एक प्रकार संगी. डफ, यंत्र बजाकर गायी जाने वाली एक रचना शैली या गीत, एक देशी रागों में से उपराग, लोकगीतों का एक प्रकार, एक सममात्रिक छंद जिनके प्रत्येक चरण में 16-14 की यति पर 30 मात्राएं होती हैं।

**लावनीबाज** वि. (तत्.+फा.) लावनी गाने वाला, लावनी गीत का प्रेमी।

**ला-बवाल** वि. (अर.+फा.) 1. अवारा, बेफिक्र 2. लापरवाह 3. अविचारी।

**ला-बवाली** वि. (अर.+फा.) निडर, बेफिक्र स्त्री. आवारगी, बेफिक्री पुं. आवारा या बेफिक्र आदमी।

**ला-वल्द** वि. (फा.) संतानविहीन, निस्संतान, जिसकी कोई संतति या पुत्र-पुत्री न हो।

**लावा** पुं. (तद्.) लावा नामक पक्षी, वैशाख मास की फसल को काटने वाला व्यक्ति, इधर-उधर की लगाने वाला (झगड़ा कराने वाला) व्यक्ति, धान, ज्वार आदि की खील, ज्वालामुखी के फूटने पर भूमि के अंदर से चट्टानों का पिघला हुआ निकलने वाला गर्म साव तरल पदार्थ, ज्वालामुखी से निकलने वाले पदार्थ का ठंडा होकर बना पिंड।

**लावाणक** पुं. (तत्.) मगध का समीपवर्ती एक देश या क्षेत्र।

**लावा-परछन** पुं. (तद्.+देश.) विवाह में एक रीति विशेष जिसके अनुसार विदा के समय कन्या का भाई उसकी झोली या हाथ में या हाथ की डलिया में धान या ज्वार आदि की खीलें डालता है, (तत्.) लावा-स्पर्शन।

**लावारिस** वि. (अर.) जिसका कोई उत्तराधिकारी न हो, वस्तु या सामान के विषय में जिसका कोई दावेदार न हो।

**लावारिसी** स्त्री. (अर.) लावारिस होने की स्थिति या भाव, लावारिसपन।

**लावा-लूतरा** वि. (देश.) इधर की बातें उधर करके लोगों को परस्पर भिड़ाने या झगड़ा कराने वाला।

**लावु** पुं. (देश.) अलाबू, कद्दू, घीया, लौका।

**लाव्य** वि. (तत्.) लावनी करने या काटने योग्य (फसल के संदर्भ) में।

**लाश** स्त्री. (फा.) 1. शव, किसी प्राणी का निर्जीव या मृत शरीर 2. क्षत-विक्षत या मृतप्राय शरीर 3. लाक्ष. बहुत भारी शरीर।